सामाजिक शोध की परिभाषा (Definition of Social Research.)

श्रीमती यंग (P. V. Young) के अनुसार, "सामाजिक शोध एक वैज्ञानिक योजना है जिसका कि उद्देश्य तार्किक तथा क्रमबद्ध पद्धतियों के द्वारा नवीन तथ्यों का अन्वेषण अथवा पुराने तथ्यों की पुनः परीक्षा एवम् उनमें पाये जाने वाले अनुक्रमों (sequences), अन्तः सम्बन्धों, कारण सहित व्याख्याओं तथा उनको संचालित करने वाले स्वाभाविक नियमों का विश्लेषण करना है।"

श्री मोसर (Moser) ने लिखा है, "कि सामाजिक घटनाओं व समस्याओं के सम्बन्ध में नवीन ज्ञान की प्राप्ति के लिए किए गए व्यवस्थित अनुसन्धान को हम सामाजिक शोध कहते हैं।"

श्री बोगार्डस (Bogardus) के अनुसार, "एक साथ रहने वाले लोगों के जीवन में क्रियाशील अन्तर्निहित प्रक्रियाओं का अनुसन्धान ही सामाजिक शोध है।"

श्री व्हिटने (Whitney) का कथन है, "समाजशास्त्रीय शोध में मानव-समूह के सम्बन्धों का अध्ययन होता है।"

इस प्रकार यह स्पष्ट है कि सामाजिक शोध वह वैज्ञानिक विधि है जिसके द्वारा सामाजिक घटनाओं व समस्याओं के कारणों, अन्तः-सम्बन्धों तथा उनमें अन्तर्निहित प्रक्रियाओं का अध्ययन, विश्लेषण व निरूपण किया जाता है। सामाजिक शोध सामाजिक जीवन का वैज्ञानिक अनुस-

न्धान है।

उपर्युक्त परिभाषाओं से यह स्पष्ट है कि सामाजिक शोध वास्तव में सामाजिक जीवन के विभिन्न पक्षों के विषय में अध्ययन करने की एक वैज्ञानिक योजना है। चूँकि यह वैज्ञानिक है अतः इसके अन्तर्गत समस्त अनुसन्धान-कार्य वैज्ञानिक पद्धति के अनुसार ही होता है; इसमें अटकलपच्चू विचार का असम्बद्ध तरीकों का कोई भी स्थान नहीं है। यह तार्किक तथा क्रमबद्ध पद्धतियों पर निर्भर है और इन्हीं पद्धतियों के द्वारा, यह सामाजिक जीवन व घटनाओं के विषय में अन्वेषण करता है, पुराने सिद्धान्तों की पुनःपरीक्षा करता है तथा विभिन्न सामाजिक तथ्यों के बीच पाये जाने वाले अन्तसम्बन्धों व अनुक्रमों (Sequences) को दर्शाता है। सामाजिक शोध का एक कार्य यह भी है कि वह समस्त घटनाओं का कारण सहित व्याख्या करे तथा उन नियमों को भी समझाए जिनके द्वारा वे नियन्त्रित व संचालित होती हैं। श्रीमती यंग की इस परिभाषा से यही बात स्पष्ट होती है।

श्री मोसुर की परिभाषा अधिक सरल है। उनका कहना है कि सामाजिक शोध एक व्यवस्थित अनुसन्धान है जिसका उद्देश्य सामाजिक घटनाओं या समस्याओं के सम्बन्ध में नवीन ज्ञान की प्राप्ति है। इसके विपरीत श्री बोगार्डस (Bogardus) का कथन है कि सामाजिक जीवन बिताने वाले लोगों के जीवन के गहराई में

पहुँचना और उसमें क्रियाशील अन्तर्निहित प्रक्रियाओं का ढूँढ निकालना ही सामाजिक शोध है। इस प्रकार श्री बोगार्डस के अनुसार सामाजिक जीवन में अन्तर्निहित नियमों का अनुसन्धान ही सामाजिक शोध का प्रमुख कार्य है। श्री व्हिटनी (Whitney) की परिभाषा सम्भवतः सबसे सरल है। समाज या समूह का निर्माण सामाजिक सम्बन्धों के ताने-बाने पर ही निर्भर करता है। अतः यदि समाज या सामाजिक जीवन के सम्बद्ध किसी घटना के सम्बन्ध में वास्तविक ज्ञान प्राप्त करना है तो उसमें अन्तर्निहित सम्बन्धों के विषय में ज्ञान प्राप्त करना अनिवार्य है। श्री व्हिटनी के अनुसार सामाजिक शोध उसी ज्ञान-प्राप्ति का एक साधन है। इस समस्त परिभाषाओं की विवेचना से हम अन्त में इसी निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि सामाजिक शोध वह व्यवस्थित वैज्ञानिक विधि है जिसके द्वारा सामाजिक जीवन या उसमें अन्तर्निहित सामाजिक सम्बन्धों व प्रक्रियाओं के सम्बन्ध में क्रमबद्ध अनुसन्धान के द्वारा ज्ञान प्राप्त किया जाता है। और भी संक्षेप में हम यह कह सकते हैं कि सामाजिक शोध सामाजिक जीवन व सम्बन्धों तथा उसमें अन्तर्निहित प्रक्रियाओं व नियमों की एक वैज्ञानिक अनुसन्धान विधि है।